ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१२
दिनांक- शुक्रवार, ११ फरवरी, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.5 एवं 11.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 60 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.8 एवं दोपहर में 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12–16 फरवरी, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12–16 फरवरी, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 22 से 25 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 9 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान की अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें ३० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। बसन्तकालीन ईख एवं शकरकन्द की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। जो किसान भाई बसन्तकालीन ईख लगाना चाहते हैं, खेत की तैयारी कर बुआई शुरु करें।
- गरमा मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकूल हो रहा है। बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। सुवान, देवकी, गंगा-११, शक्तिमान-१,२,३,४ एवं ५ किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए जिन किसान भाईयों की खेत की तैयारी हो चुकी है बुआई शुरु कर सकते हैं तथा जिन किसानों का खेत तैयार नही है वैसे किसान भाई खेतों की तैयारी जल्दी करें। १५०-२०० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनुमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी बैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- शुष्क मौसम को देखते हुए किसान भाई आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। बीज वाली आलू की फसल की उपरी लती काट दें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का निगरानी करें। थ्रीप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल १.० मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- प्याज में थ्रिप्स कीट की देख-रेख करें। थ्रिप्स प्याज को नुकसान पहुँचाने वाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा यह पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों पर दाग दिखाई देते है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। थ्रीप्स की संख्या अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल १.० मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें। प्याज में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के समय उन्नत किस्में जैसे परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के०एस०-३१२, ओकरा-०४, पंजाब-७, पंत भिंडी-१, काशी प्रगति तथा संकर किस्में जैसेः भवानी, कृष्णा, काशी भैरव, काशी महिमा आदि उपयुक्त है। बीज दर १५ से १८ किलों प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय २०० क्विंटल कम्पोस्ट, १२० किलोग्राम नत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर तथा ६० किलग्राम पोटाश व्यवहार करें।

आज का अधिकतम तापमानः २१.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.८ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः ११.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.७ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी